

बरकरार वि. (फा.) अस्तित्वशील, जीवित, वर्तमान और स्थिर, दृढ़, अचल, कायम, पुनर्नियुक्त, बहाल, उपस्थित, मौजूद।

बरखास्त वि. (फा.) विसर्जित, समाप्त, समापन, जिसेनौकरी या पद से हटाया गया हो, पदच्युत।

बरखास्तगी स्त्री. (फा.) विसर्जन, समाप्ति, नौकरी से हटाया जाना, पदच्युति।

बरगद पुं. (देश.) पीपल की जाति का एक बड़ा वृक्ष, वटवृक्ष, बड़ का पेड़।

बरगी पुं. (फा.) अश्वपाल, साईस, अश्व, घोड़ा, राज कार्य करने वाला, घुड़सवार सैनिक।

बरच्छा पुं. (तद्.) (वर+ईक्षा) कन्या पक्ष वालों द्वारा वर को देखकर पसंद करना एवं धन आदि देकर वैवाहिक संबंध पक्का करना।

बरछा पुं. (तद्.) 1. भाला 2. एक अस्त्र जिसमें डंडे के सिरे पर धातु का नुकीला फलक लगा होता है।

बरजोर वि. (तद्.+फा.) बलिष्ठ, सुदृढ़, प्रबल, जबरदस्त, बलवान, अत्याचारी, बल प्रयोग करने वाला क्रि.वि. जबरदस्ती, बलपूर्वक।

बरतन पुं. (तद्.) वर्तन, धातु या मिट्टी आदि का बना आधान जिसमें खाने-पीने की वस्तुएँ रखी जाती हैं, पात्र, बरतन, भाँडा।

बरताव पुं. (तद्.) 1. बरतने की क्रिया या भाव 2. बर्ताव, व्यवहार, बरतने का ढंग।

बरदाश्त स्त्री. (फा.) सहनशीलता, सहिष्णुता, क्षमाशीलता।

बरन पुं. (तद्.) वर्ण, ब्राह्मण आदि चार वर्णों में से प्रत्येक, वर्णमाला का अक्षर वर्ण, रंग, वर्ण, प्रकार, तरह, किस्म वरण, वरण करने की क्रिया या भाव, चुनना, पति या पत्नी के रूप में ग्रहण करना, ब्याहना, (किसी काम के लिए) नियुक्त करना, अ.क्रि. (देश.) 1. दहन कर देना 2. जलना 3. बटना, ऐँठना 3. बढ़ना पुं. (देश.) बन्ना, वर, दुल्हा स.क्रि. (देश.) 1. बढ़ना 2. वरण करना, मना करना स्त्री. (तद्.) वाराणसी

की 'वरुणा' नामक नदी पुं. (तद्.) एक प्रकार का वृक्ष वि. (तद्.) अनेक वर्णों/ रंगों वाला, रंग-बिरंगा अव्य. (तद्.) विविध प्रकार, तरह-तरह।

बरपा वि. (फा.) 1. उत्पात, उपद्रव आदि जो उठ खड़ा हुआ हो 2. जो अपने पैरों पर खड़ा हुआ हो 3. उपस्थित।

बरफ स्त्री. (फा.) जमा हुआ पानी या पानी का ठोस रूप, आकाश में भाप का जमा हुआ रूप, हिम, पाला, तुषार, अत्यंत ठंडा, कृत्रिम उपायों से जमाया हुआ द्रव।

बरफानी वि. (फा.) बर्फ से युक्त, बर्फ से ढका हुआ, हिमाच्छादित, बर्फ जैसा ठंडा, बर्फीला।

बरफी स्त्री. (फा.) बर्फी, खोए, मावा से तैयार की जाने वाली एक मिठाई।

बरबस क्रि.वि. (तद्.) बलवश, हठात्, बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ, बेकार, फिजूल।

बरबाद वि. (फा.) ध्वस्त, चौपट, नष्ट-भ्रष्ट, तबाह, जिसका नामो-निशान भी शेष न रहे, पूर्णतः नष्ट, शोचनीय अवस्था वाला, जिसकी संपत्ति नष्ट हो गई हो, विकृत, खराब।

बरमा पुं. (फा.) 1. बर्मा, (बढ़ई द्वारा प्रयुक्त) लकड़ी में अथवा किसी भी ठोस वस्तु में छेद करने का एक उपकरण, जमीन में छेद करके पानी निकालने का उपकरण drill 2. भारत के पूर्व में स्थित एक देश अब 'म्यामार'।

बरवट स्त्री. (देश.) तिल्ली, प्लीहा, पिलही, पेट के भीतर गुठली के आकार का छोटा अवयव जिसका संबंध पाकाशय से होता है क्रि.वि. (देश.) बरबस।

बरवा पुं. (देश.) छंद. 1. बरवै, एक मात्रिक छंद 2. ध्रुव 3. कुरंग।

बरवान पुं. (तत्.) 1. किसी के गुणों का विस्तार से वर्णन 2. किसी की प्रशंसा 3. वर्णन।

बरवै पुं. (देश.) दे. बरवा।

बरसना पुं. (तद्.) वर्षण, वर्षा होने की क्रिया, वर्षा अ.क्रि. वर्षा होना, किसी छोटी मांगलिक वस्तु